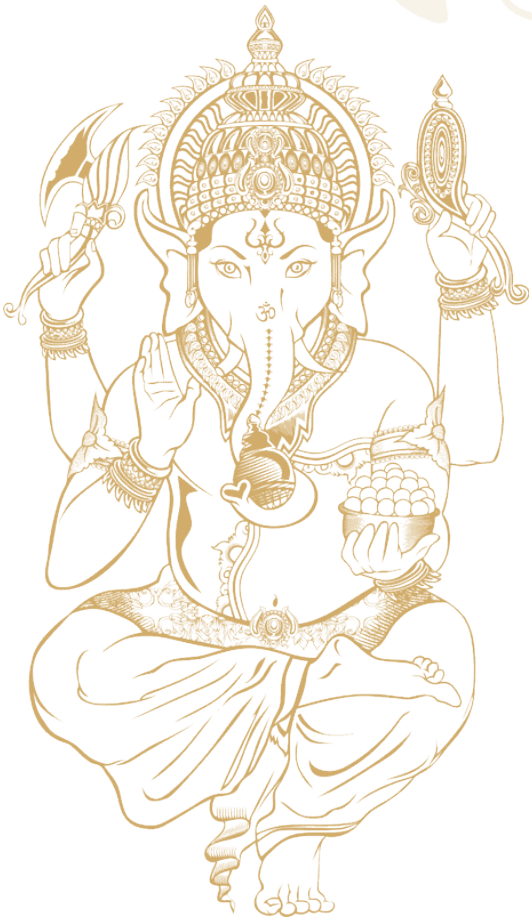

Moni yogi

19 Aug 2002

09:30 AM

Gangapur

Model: Varshphal-2017

Order No: 119443501

तिथि 19/08/2002 **समय** 09:30:00 **वार** सोमवार **स्थान** Gangapur **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:53:22
अक्षांश 26:30:00 उत्तर **रेखांश** 76:49:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:22:44 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	06:56:37 घं	गण	मनुष्य
वेलान्तर	00:03:41 घं	योनि	वानर
सूर्योदय	05:56:29 घं	नाड़ी	मध्य
सूर्यास्त	18:55:49 घं	वर्ण	क्षत्रिय
चैत्रादि संवत	2059	वश्य	मानव
शक संवत	1924	वर्ग	सर्प
मास	श्रावण	युँजा	अन्त्य
पक्ष	शुक्ल	हंसक	अग्नि
तिथि	12	जन्म नामाक्षर	धा-धर्मेन्द्र
नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा	पाया(रा.-न.)	लौह-ताम्र
योग	प्रीति	होरा	मंगल
करण	बव	चौघड़िया	शुभ

विंशोत्तरी
शुक्र 12वर्ष 4मा 12दि
चन्द्र
31/12/2020
31/12/2030

चन्द्र	31/10/2021
मंगल	01/06/2022
राहु	01/12/2023
गुरु	01/04/2025
शनि	31/10/2026
बुध	01/04/2028
केतु	31/10/2028
शुक्र	02/07/2030
सूर्य	31/12/2030

योगिनी
सिद्धा 4वर्ष 3मा 28दि
भद्रिका
17/12/2024
17/12/2029

भद्रिका	27/08/2025
उल्का	28/06/2026
सिद्धा	18/06/2027
संकटा	27/07/2028
मंगला	16/09/2028
पिंगला	27/12/2028
धान्या	28/05/2029
भ्रामरी	17/12/2029

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			18:46:33	कन्या	हस्त	3	चंद्र	बुध	---	0:00			
सूर्य			02:07:42	सिंह	मघा	1	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण	1.86	कलत्र	पितृ	अतिमित्र
चंद्र			18:25:16	धनु	पूर्वाषाढ़ा	2	शुक्र	राहु	सम राशि	1.43	भ्रातृ	मातृ	जन्म
मंगल		अ	29:27:49	कर्क	आश्लेषा	4	बुध	शनि	नीच राशि	1.15	आत्मा	भ्रातृ	मित्र
बुध			26:08:48	सिंह	पू०फाल्गुनी	4	शुक्र	केतु	मित्र राशि	1.08	अमात्य	ज्ञाति	जन्म
गुरु			09:55:11	कर्क	पुष्य	2	शनि	शुक्र	उच्च राशि	1.22	पुत्र	धन	वध
शुक्र			18:04:30	कन्या	हस्त	3	चंद्र	बुध	नीच राशि	1.25	मातृ	कलत्र	विपत
शनि			02:44:00	मिथु	मृगशिरा	3	मंगल	शुक्र	मित्र राशि	1.05	ज्ञाति	आयु	क्षेम
राहु	व		21:31:47	वृष	रोहिणी	4	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि		---	ज्ञान	विपत
केतु	व		21:31:47	वृश्चि	ज्येष्ठा	2	बुध	शुक्र	मित्र राशि		---	मोक्ष	मित्र

लग्न-चलित

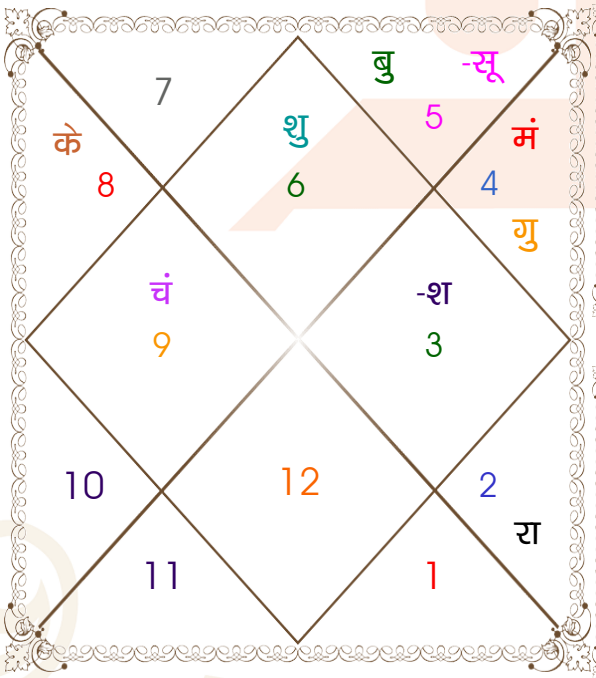

चन्द्र कुंडली

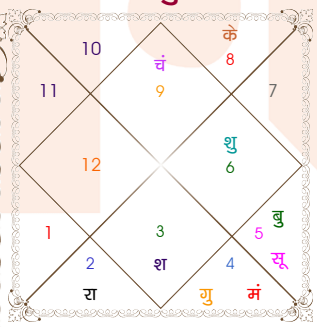

नवमांश कुंडली

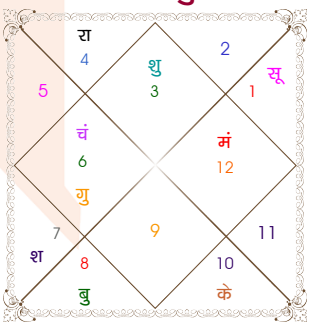

सर्वाष्टकवर्ग

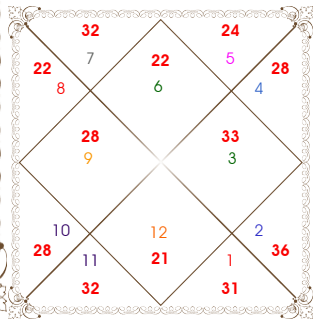

दशमांश कुंडली

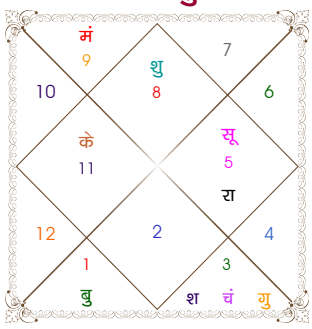

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आपके समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी रहेगी तथा मन में शान्ति एवं सन्तुष्टि बनी रहेगी। इस वर्ष में व्यक्तिगत सुख शान्ति तथा समृद्धि बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नतिशील रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को आप सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क एवं तीर्थयात्रा के भी योग बनेंगे। इस समय आपकी बुद्धि तीक्ष्ण रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे तथा आप पर पूर्ण विश्वास करेंगे। अतः आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष उत्तम रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी इच्छित उन्नति एवं विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही राज्य या सरकार के द्वारा आपको कोई विशिष्ट सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपको महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष को इस समय आप पराजित करेंगे तथा नवीन आय स्रोतों में वृद्धि करके आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेंगे। साथ ही कोई विशष्ट लाभ भी हो सकता है। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आपका समय व्यतीत होगा।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए शुभ रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करेंगे तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। स्त्री से इस समय इच्छित सुख एवं सहयोग मिलेगा तथा दाम्पत्य संबंधों में भी मधुरता रहेगी फलतः आपका समय सुख एवं आनन्द पूर्वक व्यतीत होगा। इस समय संतति पक्ष से भी आपको इच्छित सुख सहयोग प्राप्त होगा तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे उन्नति शील रहेंगे। साथ ही उनका स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा। इसके अतिरिक्त आपके रूके हुए कार्य पूर्ण होंगे तथा सौभाग्य में भी वृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आप इच्छित सफलता प्राप्त करेंगे तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय व्यापार में विस्तार या किसी नवीन कार्य का भी प्रारंभ हो सकता है। इस वर्ष नौकरी या राजनीति में भी आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग एवं वरिष्ठ नेता आपसे प्रसन्न रहेंगे तथा इनसे आप इच्छित लाभ एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस वर्ष में आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं यथोचित सम्मान करेंगे। इसके साथ ही वाहन या आवास संबंधी सुख भी प्राप्त हो सकता है। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में भी प्रसन्ता का भाव विद्य मान रहेगा। कार्य क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद के प्राप्ति की संभावना बनेगी। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित होता रहेगा। साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार करने तथा अन्य नवीन कार्यों को प्रारम्भ करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस वर्ष में आपके शत्रु निर्बल रहेंगे अतः चुनाव मुकद्दमे,व्यापारिक क्षेत्र या प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित होगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों अथवा सरकारी उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मात्रा में लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही समाज में आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय आपके समस्त रूके हुए कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्योदय संबधी कार्यो में भी वृद्धि होगी। साथ ही अन्य सांसारिक कार्यो में भी सफलता प्राप्त होगी एवं प्रसन्नता के समाचार भी मिलेंगे ।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपको संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी या उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही वाहन संबधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः आप अपने अधिकाशं समय को आनन्द पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। साथ ही मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय मित्रवर्ग एवं संबधियों से आपको इच्छित सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा तथा आप भी उनकी भलाई के लिए कार्यो को करने में तत्पर रहेंगे। आर्थिक स्थिति इस वर्ष सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। साथ ही भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करने में भी आप सफल रहेंगे तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल रहेगा। इस समय नौकरी या राजनीति में आपकी पदोन्नति होगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग या राजनेताओं से आपके सम्पर्क बनेंगे तथा इनसे भी आप इच्छित सहयोग एवं लाभ प्राप्त करेंगे। व्यापार में भी आपकी प्रगति होगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ मिलेगा। साथ ही व्यापार में विस्तार या कोई नया कार्य आरंभ करने में भी आप सफल रहेंगे।इस समय आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही सरकारी क्षेत्र में आपको कोई सम्मान प्राप्त हो सकता है। इस समय आपकी आशाएं सफल होंगी तथा विगत रूके हुए कार्य भी पूर्ण होंगे तथा वाहन सुख भी प्राप्त करेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

प्रथम मास

19/08/2025 06:58:38 से 19/09/2025 06:06:56 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:55:15
सूर्य		सिंह	मघा	02:07:41
चन्द्र		मिथुन	आर्द्रा	09:30:15
मंगल		कन्या	हस्त	13:23:04
बुध		कर्क	पुष्य	13:34:30
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	21:13:00
शुक्र		मिथुन	पुनर्वसु	27:54:27
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	06:37:32
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:16:46
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:16:46
मुंथा		सिंह	पू०फाल्गुनी	18:46:33

मासाधिपति

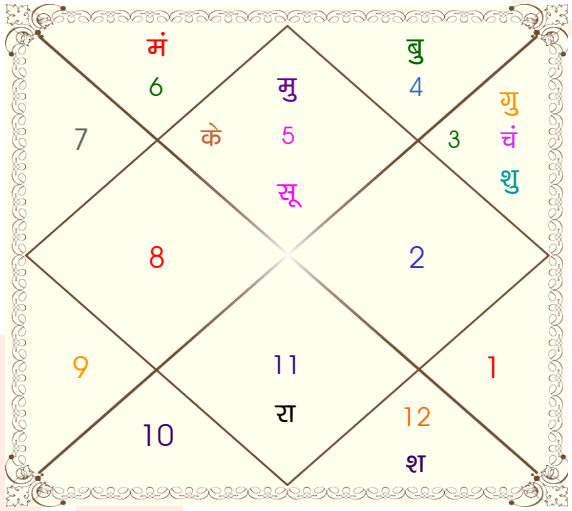

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे। इस समय आपके लाभमार्ग प्रशस्त होंगे तथा पराक्रम में भी वृद्धि होगी जिससे शत्रु वर्ग आपसे भयभीत रहेगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप सम्मान प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी आपकी आय होती रहेगी जिससे आर्थिक रूप से पूर्ण रूपेण सुदृढ़ रहेंगे। इसके शुभ प्रभाव से आप समाज में पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा भाग्य में भी उन्नति होगी एवं कोई विलम्ब हुआ शुभ एवं महत्पूर्ण कार्य भी सम्पन्न हो सकेगा। इसके, अतिरिक्त सांसारिक कार्यो में सफलता प्राप्त होगी एवं सम्पूर्ण वातावरण प्रसन्नता से युक्त रहेगा।

साथ ही इस मास में न्यूनाधिक अशुभ फल भी होंगे। इससे आप गर्मी से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रुधिर सम्बधी विकार भी हो सकता है। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधानी रखनी चाहिए। साथ ही आग के द्वारा भी किसी प्रकार की हानि की सम्भावना हो सकती है। अतः सतर्क रहें।

द्वितीय मास

19/09/2025 06:06:56 से 19/10/2025 17:11:51 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	उ०फाल्गुनी	00:36:45
सूर्य		कन्या	उ०फाल्गुनी	02:07:41
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	29:28:26
मंगल		तुला	चित्रा	03:34:08
बुध		कन्या	उ०फाल्गुनी	06:51:40
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	26:37:25
शुक्र		सिंह	मघा	05:10:14
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	04:27:51
राहु		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:08:39
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:08:39
मुंथा		सिंह	पू०फाल्गुनी	21:16:33

मासाधिपति

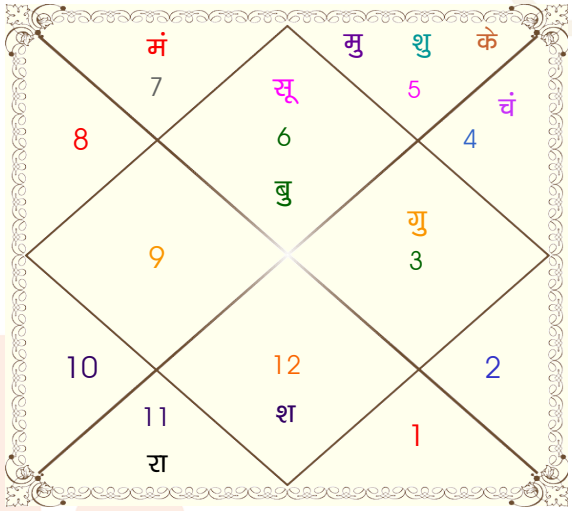

मासाधिपति : चन्द्र

इस मास में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आप दुष्ट मनुष्यों की संगति को प्राप्त करेंगे तथा व्यय भी काफी होगा जिससे आर्थिक एवं मानसिक रूप से आप कष्टानुभूति होगी। साथ ही शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ रहेंगे। काफी परिश्रम के बाद भी आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अल्प सफलता ही प्राप्त कर सकेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी एवं देवता तथा ब्राहमणों को आप उचित सम्मान प्रदान नहीं करेंगे।साथ ही अन्य प्रकार से भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकते हैं। आपके मित्रों एवं सम्बन्धियों से तनावपूर्ण सम्बन्ध रहेंगे तथा नौकरी या व्यापारिक कार्यों में भी अनावश्यक रूप से बाधाएं या रूकावटें उत्पन्न होंगी। शत्रु पक्ष से भी आपके मन में भय तथा चिन्ता रहेगी तथा जिस कार्य को भी आप प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मात्रा में प्राप्त होगी। अतः समय समय पर मन से बेचैनी भी रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त आदि से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्ट प्राप्त करेंगे तथा रक्तविकार का भी योग बनता है अतः सावधानीपूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक कष्ट न हो सकें तथा शारीरिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का भी ध्यान रखें।

तृतीय मास
19/10/2025 17:11:51 से 18/11/2025 16:16:22 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	20:16:32
सूर्य		तुला	चित्रा	02:07:41
चन्द्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	09:40:53
मंगल		तुला	विशाखा	24:24:36
बुध		तुला	विशाखा	23:55:29
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:03:59
शुक्र		कन्या	हस्त	12:44:22
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	02:15:07
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:44:35
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	23:44:35
मुंथा		सिंह	पू०फाल्गुनी	23:46:33

मासाधिपति

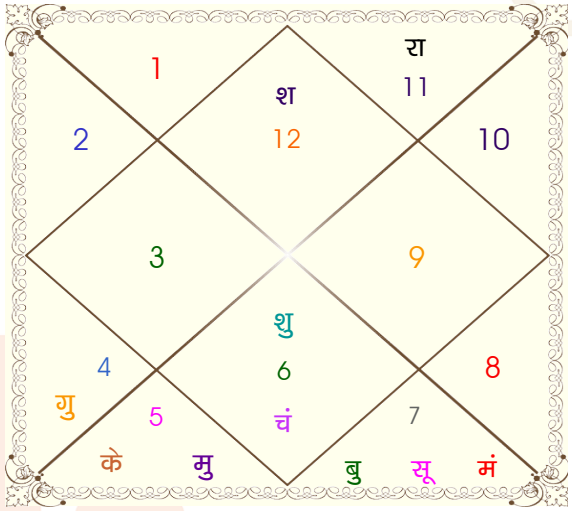

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ फल दायक रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता भी विद्यमान रहेगी। आपके शत्रु इस समय अधिक प्रबल होंगे फलतः शत्रु पक्ष से भय तथा चिन्ता बनी रहेगी। आपके घर में इस समय चोरी भी हो सकती है ।अतः सावधान रहने की आवश्यकता रहेगी। नौकरी या व्यवसाय में अपने उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें अन्यथा आप किसी प्रकार से दंडित या जुर्माना प्राप्त कर सकते हैं। इस मास आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। इसके साथ ही आप किसी कठोर कार्य को भी सम्पन्न कर सकते हैं। जिसका प्रभाव आपकी प्रतिष्ठा पर पड़ेगा तथा इससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा। आपकी मित्रों तथा सम्बन्धियों से भी इस समय सम्बन्धों में तनाव रहेगा तथा आशाओं में पूर्ण सफलता प्राप्त करने में भी असमर्थ रहेंगे।

साथ ही इस समय आप पित्तादि दोषों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा रुधिर विकार की भी सम्भावना हो सकती है। अतः इस मास शारीरिक सुरक्षा का भी आपको पूर्ण ध्यान रखना चाहिए जिससे अल्प मात्रा में ही कष्ट हो।

चतुर्थ मास
18/11/2025 16:16:22 से 18/12/2025 06:30:42 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	10:57:05
सूर्य		वृश्चिक	विशाखा	02:07:41
चन्द्र		तुला	स्वाति	12:14:02
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	15:50:16
बुध	व	वृश्चिक	अनुराधा	06:41:11
गुरु	व	कर्क	पुनर्वसु	00:51:24
शुक्र		तुला	विशाखा	20:12:26
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:01:20
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:35:55
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	21:35:55
मुंथा		सिंह	पू०फाल्गुनी	26:16:33

मासाधिपति

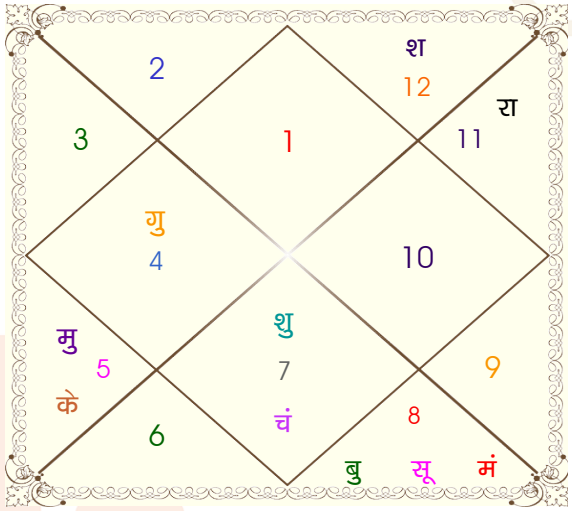

मासाधिपति : सूर्य

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ फल प्रद ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता बनी रहेगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप बुद्धि बल से ही सम्पन्न करेंगे। इस मास आप पुत्र से सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी होगा। आपके प्रभुत्व की इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग हृदय से आपके प्रभुत्व को स्वीकार करेंगे। इसके अतिरिक्त आपके कई शुभ कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ एवं महत्वपूर्ण समाचार की प्राप्ति भी होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना पैदा होगी एवं आप श्रद्धा पूर्वक इनकी पूजा तथा सेवा करने के लिए तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्च अधिकारी वर्ग से भी आप अनुकूल एवं वांछित लाभ प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से भी मुक्ति मिलेगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी होंगे जिसके प्रभाव से आप गर्मी या पितादि दोषों से उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे एवं रक्त विकार होने की भी संभावना रहेगी। अतः इस मास में आपको शारीरिक सुरक्षा के प्रति भी सजग रहना चाहिए।

पंचम् मास
18/12/2025 06:30:42 से 16/01/2026 17:15:10 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	23:35:19
सूर्य		धनु	मूल	02:07:41
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	09:55:18
मंगल		धनु	मूल	07:50:19
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	13:51:42
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	28:49:40
शुक्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	27:25:03
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:17:24
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	18:11:41
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	18:11:41
मुंथा		सिंह	उ०फाल्गुनी	28:46:33

मासाधिपति

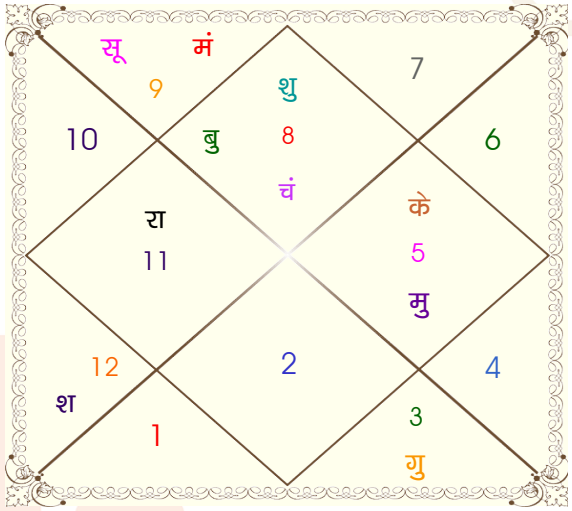

मासाधिपति : सूर्य

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा समाज में पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा सम्मान भी प्राप्त करेंगे तथा ये लोग आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आप पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनकी भलाई के कार्यो को करने में भी तत्पर रहेंगे।आपके कई विलम्बित शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास सम्पन्न होंगे जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधि पूर्वक आप इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे। संतति पक्ष से भी आप पूर्ण सुखी रहेंगे तथा मित्रों एवं बन्धुओं के मध्य आप की मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।साथ ही आपकी असफल आशाएं भी इस समय सिद्ध होगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस समय आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग भी प्राप्त करने में सफल रहेंगे।आपकी बुद्धि भी इस समय निर्मल रहेगी एवं प्रचुर मात्रा में संपूर्ण मास धनार्जन होता रहेगा। धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा में वृद्धि होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

षष्ठ मास

16/01/2026 17:15:10 से 15/02/2026 06:40:07 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	पुनर्वसु	24:54:05
सूर्य		मकर	उत्तराषाढ़ा	02:07:41
चन्द्र		धनु	मूल	05:45:47
मंगल		मकर	उत्तराषाढ़ा	00:24:48
बुध		धनु	उत्तराषाढ़ा	28:49:53
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	25:03:44
शुक्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	04:28:09
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	03:01:26
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	15:35:13
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	15:35:13
मुंथा		कन्या	उ०फाल्गुनी	01:16:33

मासाधिपति

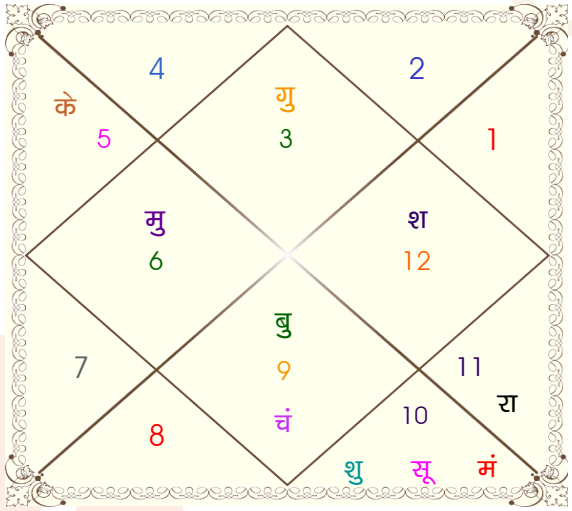

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथापि न्यूनाधिक रूप से आप शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं कई प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति करगें। आपके शत्रु भी इस मास प्रबल रहेंगे फलतः उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप असन्तुष्ट तथा अशान्त रहेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजिविका संबधी कार्य में शिथिलता आएगी तथा इनसे आपको पूर्ण लाभ नहीं होगा। साथ ही आपका कोई कार्य बन्द हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिर्वतन हो सकता है। इसके अतिरिक्त अन्य सामाजिक जनों से आपका परस्पर वाद विवाद भी हो सकता है। जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता आऐगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग बनता है तथा शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी अवश्य अर्जित करेंगे। अतः स्त्री एवं पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा इनसे आप सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि की भी प्राप्ति करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार आपके लिए यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

सप्तम् मास
15/02/2026 06:40:07 से 17/03/2026 04:17:56 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	धनिष्ठा	25:04:10
सूर्य		कुम्भ	धनिष्ठा	02:07:41
चन्द्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	03:06:23
मंगल		मकर	धनिष्ठा	23:31:52
बुध		कुम्भ	शतभिषा	19:06:43
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	21:48:07
शुक्र		कुम्भ	शतभिषा	11:33:38
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	05:53:27
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:45:57
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:45:57
मुंथा		कन्या	उ०फाल्गुनी	03:46:33

मासाधिपति

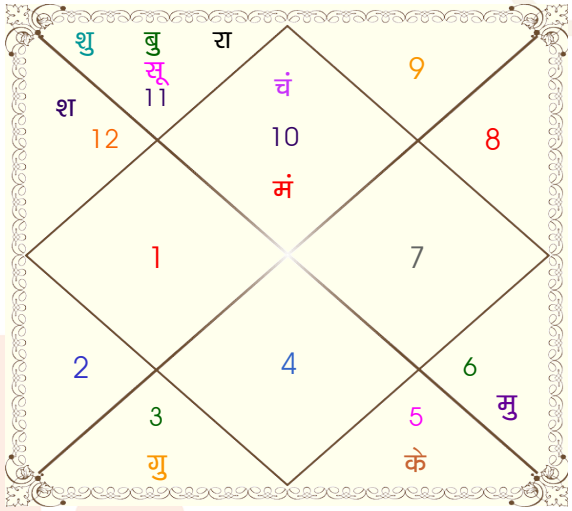

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए पूर्ण रूप से शुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा आप किसी सम्मानीय पद को प्राप्त करने में भी सफल होंगे। इस मास में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में होगा तथा सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न होने की संभावना रहेगी। साथ ही स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा यथाशक्ति आप इनका पूजन तथा सत्कार करेंगे। समाज में इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकाशं भाग्योदय संबधी कार्य भी इसी समय सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता रहेगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग एवं सुख प्राप्त करेंगे। इस प्रकार इस समय सर्वत्र आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से मनोवांछित सहयोग तथा सुख की प्राप्ति करेंगे तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करके अन्य स्त्रोतों से भी धनार्जन तथा सुख संसाधन अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगे। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

अष्टम् मास
17/03/2026 04:17:56 से 16/04/2026 13:40:45 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	श्रवण	17:46:33
सूर्य		मीन	पू०भाद्रपद	02:07:41
चन्द्र		कुम्भ	धनिष्ठा	05:31:22
मंगल		कुम्भ	शतभिषा	17:04:54
बुध	व	कुम्भ	शतभिषा	15:01:53
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	20:55:02
शुक्र		मीन	रेवती	18:49:09
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	09:26:47
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:45:20
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:45:20
मुंथा		कन्या	उ०फाल्गुनी	06:16:33

मासाधिपति

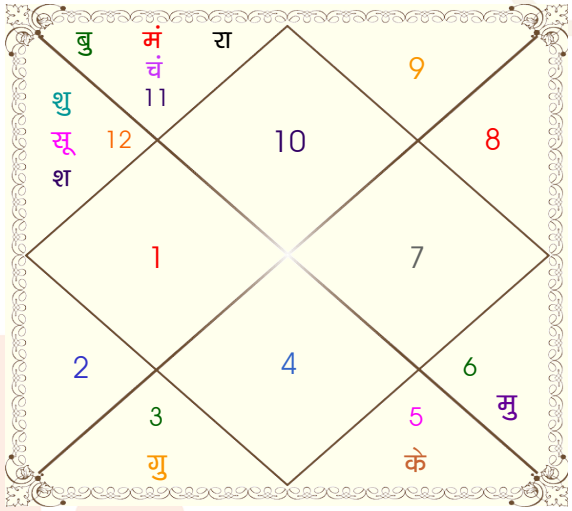

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ तथा भाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। साथ ही आपके धर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न होगा।संतति पक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा का भाव रहेगा एवं श्रद्धा पूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करेंगे। समाज में इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा। इस मास में आपकी लाभ दायक यात्रा का योग भी बनेगा। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सम्मान तथा सहयोग भी अर्जित करेंगे। इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा समाज में आप एक सम्माननीय तथा प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला वर्ग से पूर्ण सहयोग एवं लाभार्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आपको प्रचुर मात्रा में धनार्जन भी होगा तथा सुख साधनों को भी आप अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में आपकी रूचि रहेगी तथा समाज में पूर्ण यश एवं प्रतिष्ठा व्याप्त रहेगी।

नवम् मास
16/04/2026 13:40:45 से 17/05/2026 11:18:44 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	25:02:53
सूर्य		मेष	अश्विनी	02:07:41
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	16:29:16
मंगल		मीन	उ०भाद्रपद	10:50:42
बुध		मीन	उ०भाद्रपद	07:29:08
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	22:52:43
शुक्र		मेष	भरणी	26:13:52
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	13:12:22
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	13:49:16
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	13:49:16
मुंथा		कन्या	उ०फाल्गुनी	08:46:33

मासाधिपति

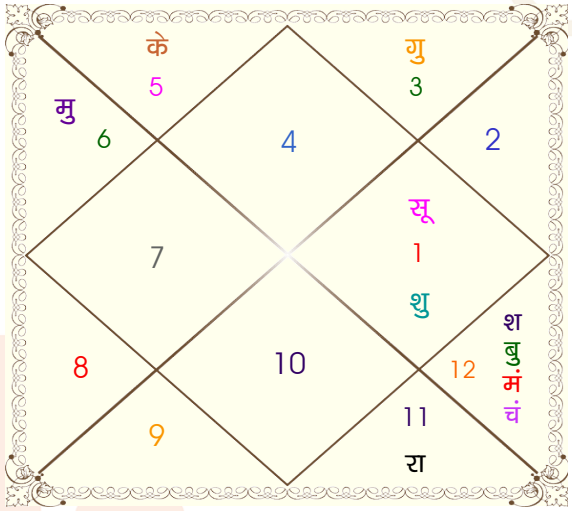

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए सामान्य शुभ रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में भी सफल रहेंगे।साथ ही समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक इनका पूजन तथा आदर करते रहेंगे।साथ ही दूसरे लोगों की भलाई करने में भी आप तत्पर रहेंगे। आपका स्वास्थ्य सामान्य रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपका उचित सहयोग एवं मित्रता रहेगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सुख एवं सहयोग आपको प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस मास में पूर्ण होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में अशुभ फल भी आप यदाकदा प्राप्त करेंगे।अतः आप ठंड या वातरोग से पीड़ित हो सकते है तथा आपके द्वारा कोई ऐसा कार्य भी सम्पन्न होगा जिसके लिए आपको पछताना पड़ेगा जिससे समाज में सम्मान में भी कमी आएगी। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आप हानि प्राप्त कर सकते है। अतः सावधानी एवं बुद्धिमता से अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

दशम् मास
17/05/2026 11:18:44 से 17/06/2026 18:20:10 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	20:40:33
सूर्य		वृष	कृतिका	02:07:41
चन्द्र		वृष	कृतिका	07:57:13
मंगल		मेष	अश्विनी	04:29:52
बुध		वृष	कृतिका	05:21:08
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	27:11:50
शुक्र		मिथुन	मृगशिरा	03:36:58
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	16:39:11
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	11:01:50
केतु	व	सिंह	मघा	11:01:50
मुंथा		कन्या	हस्त	11:16:33

मासाधिपति

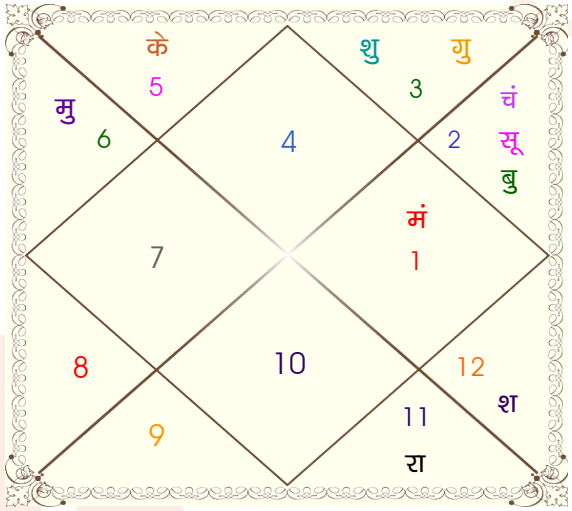

मासाधिपति : चन्द्र

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे ।साथ ही समाज में सभी लोग आपको हार्दिक सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही दूसरे लोगों की भलाई के लिए भी कार्य करने में तत्पर रहेंगे। शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इससे समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस मास में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उन्हें इच्छित सहयोग प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त अपने संकल्पों तथा मानसिक विचारों को मूर्त रूप देने में भी आप सफल सिद्ध होंगे जिससे मानसिक रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी अर्जित करेंगे। जिससे यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फल दायक रहेगा।

एकादश मास

17/06/2026 18:20:10 से 19/07/2026 05:09:52 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	20:17:47
सूर्य		मिथुन	मृगशिरा	02:07:41
चन्द्र		कर्क	पुष्य	06:14:05
मंगल		मेष	कृतिका	27:39:32
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	26:33:06
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	03:06:17
शुक्र		कर्क	पुष्य	10:31:10
शनि		मीन	रेवती	19:14:30
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	07:44:51
केतु	व	सिंह	मघा	07:44:51
मुंथा		कन्या	हस्त	13:46:33

मासाधिपति

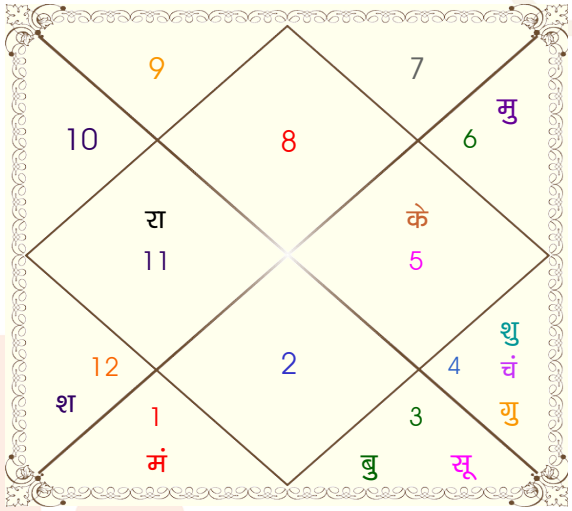

मासाधिपति : बुध

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय महिला वर्ग से आपको वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सौभाग्य से ही सम्पन्न होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा ज्ञानार्जन के प्रति आप अपनी रूचि का प्रदर्शन करेंगे तथा इसमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। मित्रों तथा संबधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको इच्छित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा साथ ही मनोवांछित द्रव्यों की भी इस मास में उपलब्धि हो सकती है। संतति पक्ष से भी आपको यथोचित लाभ तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। सामाजिक जनों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा आपकी असफल आशाएं भी इस मास में पूर्ण होंगी। अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं की भी प्राप्ति करने में सफल सिद्ध हो सकते हैं।

द्वादश मास

19/07/2026 05:09:52 से 19/08/2026 13:04:23 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	पुनर्वसु	24:29:34
सूर्य		कर्क	पुनर्वसु	02:07:41
चन्द्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	02:52:14
मंगल		वृष	रोहिणी	19:56:39
बुध	व	मिथुन	पुनर्वसु	23:10:00
गुरु		कर्क	पुष्य	09:51:06
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	15:58:28
शनि		मीन	रेवती	20:28:02
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	06:00:16
केतु		सिंह	मघा	06:00:16
मुंथा		कन्या	हस्त	16:16:33

मासाधिपति

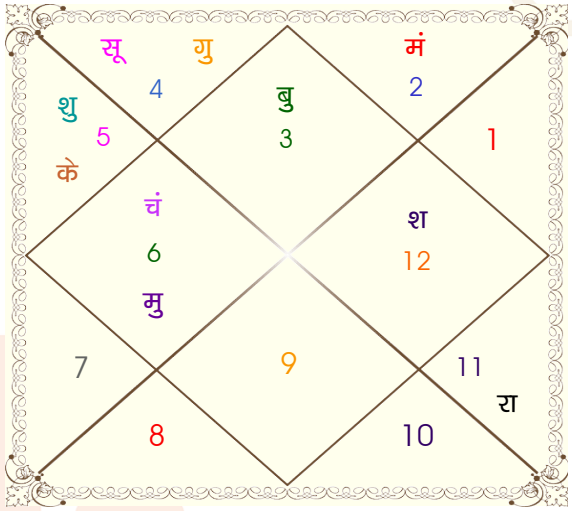

मासाधिपति : बुध

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक होंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु भी आपसे अधिक बलवान होंगे अतः उनकी ओर से आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में आपके व्यापार आदि कार्यो में मन्दी रहेगी तथा नौकरी आदि में भी अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। साथ ही आप किसी कार्य को परिवर्तन कर सकते है या कोई कार्य छूट भी सकता है। समाज में दूसरे लोगों के साथ आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर वैमनस्य का भाव रहेगा जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता परिलक्षित होगी। इसके अतिरिक्त आपके इस मास में धन हानि के योग बनेंगे तथा शरीर किसी नवीन रोग से पीड़ित हो सकता है। अतः अपने समस्त सांसारिक कार्यो को सोच समझ कर सम्पन्न करें।

साथ ही इस मास में आप शुभ फल भी अवश्य प्राप्त करेंगे। इस समय स्त्री तथा पुत्र से आप सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगी तथा अपनी बुद्धिमता से धनार्जन करने में सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा रहेगी तथा आपके इन विचारों से समाज से आप वांछित सम्मान तथा सहयोग प्राप्त कर सकेंगे।